गुवाहाटी में गेंदबाजों का कहर, चेन्नई 127 पर ढेर

राजस्थान के गेंदबाजों ने अनुशासित लाइन-लेंथ से चेन्नई की बल्लेबाजी को किया ध्वस्त

गुवाहाटी, 30 मार्च. गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गेंदबाज़ों का दबदबा साफ देखने को मिला, जहां चेन्नई सुपर किंग्स की मजबूत मानी जाने वाली बल्लेबाज़ी 19.4 ओवर में महज 127 रन पर सिमट गई.

राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज़ों ने शुरुआत से ही सटीक लाइन-लेंथ, गति और विविधता के दम पर चेन्नई के बल्लेबाज़ों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया. मुश्किल पिच पर जेमी ओवरटन की 43 रन की संघर्षपूर्ण पारी को छोड़ दें तो कोई भी बल्लेबाज़ टिककर खेल नहीं पाया. पहली पारी के बाद यह मुकाबला पूरी तरह गेंदबाज़ों के नाम रहा.

गुवाहाटी, बारसापारा.

बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस लो-स्कोरिंग मुकाबले की पहली पारी पूरी तरह राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज़ों के नाम रही. चेन्नई सुपर किंग्स की बल्लेबाज़ी शुरुआत से ही दबाव में नजर आई और पूरी टीम 19.4 ओवर में 127 रन पर ऑलआउट हो गई. पिच पर शुरुआत से ही गेंद रुककर आ रही थी और असमान उछाल बल्लेबाज़ों के लिए परेशानी का कारण बना. राजस्थान के गेंदबाज़ों ने इन परिस्थितियों का शानदार फायदा उठाया और चेन्नई के बल्लेबाज़ों को बड़े शॉट्स लगाने का कोई मौका नहीं दिया.

चेन्नई की शुरुआत बेहद खराब रही. टीम को पहला झटका जल्दी लग गया जब शुरुआती बल्लेबाज़ सिर्फ 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए.

कैच और रन आउट के मौके भुनाने में कोई गलती नहीं की

फील्डिंग में भी राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन किया. खिलाड़ियों ने कैच और रन आउट के मौके भुनाने में कोई गलती नहीं की. यही कारण रहा कि चेन्नई को अतिरिक्त रन या जीवनदान नहीं मिला. पहली पारी का सार यही रहा कि चेन्नई की बल्लेबाज़ी पूरी तरह बिखरी हुई नजर आई, जबकि राजस्थान के गेंदबाज़ों ने एक यूनिट के रूप में शानदार प्रदर्शन किया. हर गेंदबाज़ ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई और लगातार दबाव बनाए रखा. अब दूसरी पारी में लक्ष्य बड़ा नहीं है, लेकिन पिच के मिजाज को देखते हुए मुकाबला अभी भी पूरी तरह खुला हुआ है. इस विकेट पर बल्लेबाज़ी आसान नहीं दिख रही, इसलिए लक्ष्य का पीछा करना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है. चेन्नई के लिए यह पारी एक बड़ी चेतावनी है कि केवल स्टार खिलाड़ियों के नाम से मैच नहीं जीते जाते.

पल्लवी ने जीता ट्राइबल गेम्स में पदक

04 साल की बेटी को घर पर छोड़ा

रायपुर, 30 मार्च जब पल्लवी पायेंग की बेटी सिर्फ छह महीने की थी, तब असम की इस वेटलिफ्टर के सामने एक कठिन फैसला था. या तो वह अपने पसंदीदा खेल को छोड़ दें या फिर अपनी बेटी से दूर रहकर दोबारा ट्रेनिंग शुरू करें.

ऐसे समय में उनके पति सुखावन थौमंग ने उन्हें अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया, जबकि उनकी मां ने बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी संभाली. पल्लवी ने इस त्याग को सार्थक करते हुए यहां आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में महिलाओं के 69 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता. असम की मिसिंग जनजाति से ताल्लुक रखने वाली पल्लवी ने 2018 में वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई. लेकिन कोविड-19 लॉकडाउन ने उनके खेल जीवन की रफ्तार को रोक दिया. इसी दौरान वह मां बनीं, लेकिन वेटलिफ्टिंग मंच पर वापसी की इच्छा उनके भीतर हमेशा बनी रही.

सिनर ने लेहेका को हराकर जीता मियामी खिताब

रचा इतिहास : 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बने

फ्लोरिडा (अमेरिका), 30 मार्च इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए मियामी ओपन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया।

फाइनल में उन्होंने चेक गणराज्य के उभरते खिलाड़ी जिरी लेहेका को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर अपनी बादशाहत साबित की। इस जीत के साथ सिनर ने न केवल एक और मास्टर्स खिताब जीता, बल्कि 'सनशाइन डबल' पूरा कर इतिहास भी रच दिया।

सिनर ने इससे पहले कैलिफ़ोर्निया में खेले गए इंडियन वेल्स टूर्नामेंट का खिताब भी जीता था। खास बात यह रही कि उन्होंने दोनों प्रतिष्ठित हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट बिना एक भी सेट गंवाए अपने नाम किए। यह उपलब्धि उन्हें मौजूदा दौर के सबसे खतरनाक और स्थिर खिलाड़ियों में शामिल करती है। फ्लोरिडा के हार्ड कोर्ट पर खेले गए मियामी ओपन 2026 के फाइनल में यानिक सिनर ने जिस आत्मविश्वास और नियंत्रण के साथ खेल दिखाया, उसने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि वह टेनिस की नई पीढ़ी के सबसे बड़े सितारों में शामिल हो चुके हैं। चेक गणराज्य के युवा खिलाड़ी जिरी लेहेका के खिलाफ मुकाबले में सिनर शुरू से ही हावी नजर आए और उन्होंने मैच को कभी भी अपने हाथ से निकलने नहीं दिया।

> यह जीत केवल एक खिताब तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मायने कहीं बड़े हैं। सिनर ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी जीती थी। इस तरह उन्होंने 'सनशाइन डबल' पूरा किया—यानी एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन दोनों जीतना। खास बात यह है कि उन्होंने दोनों टूर्नामेंट बिना एक भी सेट गंवाए जीते, जो उनकी अद्भुत फॉर्म और मानसिक मजबूती को दर्शाता है। मौजूदा समय में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने मास्टर्स स्तर के टूर्नामेंट में लगातार 34 सेट जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। यह आंकड़ा उनकी निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है।

एक नजर में

ग्रीन के गेंदबाजी ना करने पर रहाणे ने कहा क्रिकेट के बारे में ऑस्ट्रेलिया से पूछिए

मुम्बई. कोलकाता नाइट राइडर्स ने कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के सवाल पर कहा कि इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से पूछिए कि वह क्यों गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं. ग्रीन ने टी-20 विश्व कप के बाद से ही गेंदबाजी नहीं की है. सोमवार को सीए ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ग्रीन पीठ के निचले हिस्से की हल्की चोट से उबर रहे हैं और गेंदबाजी में वापसी की उनकी टाइमलाइन आईपीएल से पहले ही केकेआर को बता दी गई थी. सीए के प्रवक्ता ने कहा, 'कैमरन के पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका ईलाज चल रहा है. उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा. वह इस समय भारत में धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी दबाव बढ़ा रहे हैं, ताकि करीब 10-12 दिनों में वापसी कर सकें. केकेआर को यह जानकारी दे दी गई है और वे इससे पूरी तरह वाकिफ हैं.' उल्लेखनीय है कि ग्रीन ने सितंबर 2024 से अक्तूबर 2025 तक 12 महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में गेंदबाजी नहीं की थी, क्योंकि उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी हुई थी. कोलकाता नाइट राइडर्स ने ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा है. गेंदबाजी संयोजन के स्थिर न होने पर रहाणे ने कहा कि टीम अभी सही संतुलन तलाश रही है.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 90 रनों से हराया

बासटेयर. बेथ मूनी (65), फीबी लिचफील्ड (46) और जॉर्जिया वेयरहम (39 रन/तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 90 रन से शिकस्त दी. इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं. 270 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके और उनकी पूरी टीम 46 ओवरों में 179 रन पर सिमट गई. हेली मैथ्यूज ने सर्वाधिक 45 रनों की पारी खेली. किआना जोसेफ (29), स्टेफनी टेलर (18), शिनेल हेनरी (19) और करिश्मा रामहैक (14) रन बनाकर आउट हुई. ऐफी फ्लेचर ने 28 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाये. ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर और जॉर्जिया वेयरहम ने तीन-तीन विकेट लिये. तालिया मैग्रा को दो विकेट मिले.

मनिका बत्रा और मानव ठक्कर आईटीटीएफ विश्वकप में अपने शुरुआती मैच हारे

मकाऊ. आईटीटीएफ विश्व कप 2026 में भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों की शुरुआत निराशाजनक रही; सोमवार को मकाऊ में मनिका बत्रा और मानव ठक्कर अपने-अपने शुरुआती ग्रुप मैच हार गए. आज यहां महिला एकल में, वर्ल्ड रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज मनिका बत्रा, ग्रुप 4 में जापान की मिवा हारिमोटो से 3-0 (18-16, 11-4, 11-6) से हार गई. 30 वर्षीय मनिका बत्रा ने शुरुआती गेम में वर्ल्ड नंबर 5 हारिमोटो के खिलाफ जबरदस्त मुकाबला किया. एक समय 8-5 से पीछे चल रहीं मनिका बत्रा ने मैच में ज़ोरदार वापसी की और अपनी से ऊंची रैंकिंग वाली जापानी प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी, जिससे शुरुआती गेम 34 पॉइंट्स तक खिंच गया. आखिरकार हारिमोटो ही विजेता रहीं और उन्होंने अगले दो गेम में भी अपना दबदबा बनाए रखा.

सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर की घोषणा

नयी दिल्ली, 30 मार्च हॉकी इंडिया ने आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सोमवार को एक से नौ अप्रैल तक चलने वाले 31 सदस्यीय सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर की घोषणा की है।

टीम हाल ही में हैदराबाद, तेलंगाना में संपन्न हुए एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स में शानदार प्रदर्शन करने के बाद इस कैंप में हिस्सा ले रही है। इस टूर्नामेंट में टीम ने रजत पदक हासिल किया था और आगामी एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए सफलतापूर्वक क्वालिफाई कर लिया था। इस शिविर का मुख्य ज़ोर टीम के तालमेल को बेहतर बनाने, खिलाड़ियों की फिटनेस के स्तर को ऊपर उठाने और खेल के रणनीतिक पहलुओं को और अधिक पैना करने पर रहेगा। यह सब नई कोच सजोर्ड मारिजने की देखरेख में टीम को एक ठोस आकार देने की प्रक्रिया का हिस्सा है। यह महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि भारत जून में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेने वाला है। इसके बाद अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 होगा, और फिर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान में 2026 एशियाई खेलों का आयोजन किया जाएगा।

कोमालिका ट्राइबल गेम्स के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त

रायपुर, 30 मार्च. वर्ष 2021 में जब कोमालिका बारी ने अपने राज्य की साथी दीपिका कुमारी की बराबरी करते हुए विश्व कैडेट और विश्व जूनियर दोनों खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया, तब से जमशेदपुर की इस खिलाड़ी से काफी सारी उम्मीदें जुड़ गई थीं.

जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर सर्किट में उनका सफर उतना आसान नहीं रहा. कोमालिका एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अभी तक वह पूरी तरह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाई हैं. अब 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, ऐसे में कोमालिका ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है.

प्रीति-दीपक ने जीते मुक्केबाजी के शुरुआती मुकाबले

उलानबटार, 30 मार्च. भारत की प्रीति पंवार और दीपक ने सोमवारको एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में अपने-अपने शुरुआती दौर के मुकाबले जीत लिए हैं.

आज यहां महिलाओं की 54 किग्रा भार वर्ग में, विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति पंवार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए कज़ाकिस्तान की पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन एलिना बाजारोवा को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराया. पुरुषों की 70 किग्रा वर्ग में, एशियाई यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक ने अपनी सूझबूझ और मज़बूती का प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के खावासबेक असादुल्लायेव को 3-2 के विभाजित फैसले से हराया.

> ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) और पूर्व विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) को अपने-अपने शुरुआती दौर में 'बाय' (सीधा प्रवेश) मिला. जैस्मीन लंबोरिया (57किग्रा), अंकुशिता बोरो (65किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और अल्फ़िया पठान (80 प्लास किग्रा) को भी पहले दौर में 'बाय' मिला. दूसरी ओर, विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा (48किग्रा) मंगलवार को अपने शुरुआती मुकाबले में जापान की यूका सादामत्सु का सामना करेंगी, जबकि ओलंपियन पूजा रानी (80 किग्रा) कजाकिस्तान की नादेज़दा यबिट्स से भिड़ेंगी. पुरुषों के ड्रॉ में, अंकुश (80 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 प्लास किग्रा) को 'बाय' मिला, जबकि जादुमणि सिंह 55 किग्रा वर्ग के एक कड़े मुकाबले में जापान के शीर्ष वरीयता प्राप्तरुई यामागुची का सामना करेंगे.

इंडियन प्रीमियर लीग 31 मार्च को पंजाब किंग्स बनाम गुजरात टाइटंस मुकाबला

अय्यर-गिल आमने-सामने, पिच देगी संतुलित चुनौती

नई चंडीगढ़, 30 मार्च: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांचक आगाज़ के बीच 31 मार्च को चौथा मुकाबला पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा।

यह मुकाबला नई चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। दोनों टीमें नए सीजन में जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी, जिससे मुकाबला काफी दिलचस्प होने की उम्मीद है। पंजाब किंग्स की कमान इस सीजन श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि गुजरात टाइटंस की कप्तानी युवा स्टार शुभमन गिल कर रहे हैं। दोनों कप्तान शानदार फॉर्म और आक्रामक रणनीति के लिए जाने जाते हैं, ऐसे में यह मुकाबला केवल टीमों का नहीं बल्कि कप्तानी कौशल का भी होगा।

अगर टीम संयोजन की बात करें तो पंजाब किंग्स के पास बल्लेबाजी और ऑलराउंडर का मजबूत मिश्रण है। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ओपनिंग में तेज शुरुआत दे सकते हैं, जबकि मिडिल ऑर्डर में अय्यर, नेहल वढेरा और मार्कस स्टोइनिस टीम को मजबूती देंगे। वहीं गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल अहम भूमिका निभाएंगे।

> गुजरात टाइटंस की टीम भी किसी से कम नहीं है। ओपनिंग में कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन मजबूत शुरुआत दे सकते हैं, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज जोश बटलर मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। मिडिल ऑर्डर में ग्लेन फिलिप्स और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर मौजूद हैं। पिच रिपोर्ट की बात करें तो नई चंडीगढ़ की पिच संतुलित मानी जाती है। शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को स्विंग मिल सकती है, जिससे बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा। हालांकि, जैसे-जैसे गेंद पुरानी होगी, बल्लेबाजी आसान होती जाएगी।